हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, शनिवार, 3 मई 2025

11 राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने पालेराम ...

12 18 माह में पूरा होने वाला कार्य 50 महीने बाद भी लटका ...

खबर संक्षेप

23वां श्रीश्याम गुणगान महोत्सव कल होगा

भिवानी। 4 मई रविवार को चिड़ियाघर रोड स्थित बाल भवन वाटिका में 23वां श्रीश्याम गुणगान महोत्सव का आयोजन सायं 5:15 बजे प्रभु इच्छा तक किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यतिथि सहकारिता विरासत, पर्यटन एवं जेल मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, मुख्य यजमान प्रसिद्ध समाजसेवी एवं उद्योगपति अनुज गुरेजा होंगे तथा समारोह की अध्यक्षता प्रसिद्ध समाजसेवी मनोज दिवान करेंगे, जिसमें पावन सान्निध्य श्रीमहंत डॉ. अशोक गिरि व महंत चरणदास महाराज का रहेगा।

कलशयात्रा से श्रीमद्भागवत कथा का हुआ शुभारंभ

भिवानी। बैंक कॉलोनी में पूर्व पार्षद रेखा राघव के निवास के नजदीक सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ शुकवार को कलश यात्रा से हुआ। कलश यात्रा में 111 महिलाएं सिर पर कलश उठाकर कथा स्थल पहुंची। पूर्व पार्षद रेखा राघव ने बताया कि कथाव्यास तेजभूण कथा का वाचन करेंगे। उन्होंने कहा कि कथा का आयोजन समस्त जीवधारियों की सुख समृद्धि के उदेश्य से किया जा रहा है।

प्रवक्ता नरेन्द्र को मिला 273वां रैंक

भिवानी। टीआईटी स्कूल में कार्यरत फिजिक्स प्रवक्ता नरेन्द्र कुमार ने जेआरएफ प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर 273वां रैंक फिजिकल साइंस विषय में प्राप्त किया। कॉलेज निदेशक प्रोफेसर डॉ. बीके बेहरा व प्राचार्य डॉ. डीपी कौशिक ने नरेन्द्र कुमार का फुलमालाओं व मिठाई खिलाकर सम्मानित किया।

पायल सैनी ने हासिल की नौवीं रैंक

लोहारू। बीते दिवस घोषित हुए यूजीसी नेट परीक्षा के परिणामों में लोहारू निवासी छात्रा पायल सैनी

पुत्री महेश सैनी ने 9वीं रैंक हासिल कर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। छात्रा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता के आशीर्वाद और गुरुजनों के मार्गदर्शन को दिया है।

इनेलो की हल्का स्तरीय बैठक तोशाम में कल

तोशाम। आगामी 4 मई को इंडियन नेशनल लोकदल हल्का तोशाम की हल्का स्तरीय बैठक का आयोजन तोशाम बस स्टैंड स्थित पंजाबी धर्मशाला में सुबह 10 बजे आयोजित की जाएगी। जिसकी अध्यक्षता नवनियुक्त हल्का अध्यक्ष अनिल पंघाल बगनवाला व समस्त लोकदल पदाधिकारी करेंगे। इस बैठक में मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष अशोक ढाणीमाहु, राष्ट्रीय सचिव नरेंद्र वर्मा व प्रदेश सचिव सुनील लांबा होंगे।

बारिश के साथ तेज अंधड़ से सैकड़ों हरे पेड़ उखड़े पोल टूटे, जमीन पर गिरे ट्रांसफार्मर और छतें उड़ी

भिवानी। शहर की सड़कों पर टूटे पेड़, पेड़ों के बीच से रास्ता बनाकर निकलते वाहन चालक और रेवाड़ी खेड़ा में सड़क किनारे टूटे बिजली के पोल व जमीन पर पड़ा ट्रांसफार्मर।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

शुक्रवार अल सुबह तूफानी बारिश से पूरी तरह से जनजीवन प्रभावित हुआ। बारिश ने तो पारे का गुरुर तोड़ा,लेकिन साथ में तेज अंधड ने जिले में सैंकड़ों हरे पेड़ जड़ समेत उखाड़ दिए। इससे ज्यादा बिजली के पोल टूट गए। अंधड़ इतना तेज था कि खंभों पर रखे ट्रांसफार्मर छिटकर जमीन पर गिर गए। अनेक जगहों पर बिजली के तार टूट कर गिर गए। बिजली की सप्लाई पूरी तरह से बंद हो गई। वहीं 33 हजार केवी की लाइन में फाल्ट आने से शुक्रवार चार बजे तक शहर के अनेक हिस्सों में बिजली की सप्लाई नहीं पहुंच पाई थी। हालांकि निगम के कर्मचारी अल सुबह ही बिजली की सप्लाई चालू करने के लिए फिल्ड में निकल पड़े,लेकिन अनेक जगहों पर तार टूटे होने की वजह से शाम तक बिजली की सप्लाई चालू नहीं हो पाई थी। बिजली के न आने से पीने के पानी की सप्लाई भी पूरी तरह से डिस्टर्ब रही।

लगा रहा जाम, अटके लोगों के काम

तेज बारिश के साथ अंधड की वजह से सड़कों पर अनेक पेड़ गिर गए। पेड़ों की वजह से मार्ग अवरूद्ध हो गए। सडकों पर सुबह चार बजे से लेकर नौ बजे तक जाम की स्थिति बन गई। सबसे बुरी स्थिति हांसी मार्ग , जींद मार्ग पर बनी। इन दोनों मार्गों पर अनेक जगहों पर पेड़ गिरने से वाहनों का आवागमन बंद हो गया। हालांकि बाद में बवानीखेड़ा से भिवानी के बीच में बन रहे नए बाईपास के रास्ते वाहनों को निकालना शुरू किया। इसी तरह जींद से आने वाले कुछ वाहनों को भी इसी रास्ते भिवानी तक भेजा गया। जो कि करीब दस बजे के आसपास इन मार्गो से वाहनों का आवागमन पूरी तरह से पटरी पर लौटा। इस दौरान विभिन्न शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले बच्चों को अच्छी खासी परेशानी उठानी पड़ी। विद्यार्थी निजी वाहनों में ही गंतव्य तक पहुंच पाए। बिजली की सप्लाई चालू न होने की वजह से शहर,

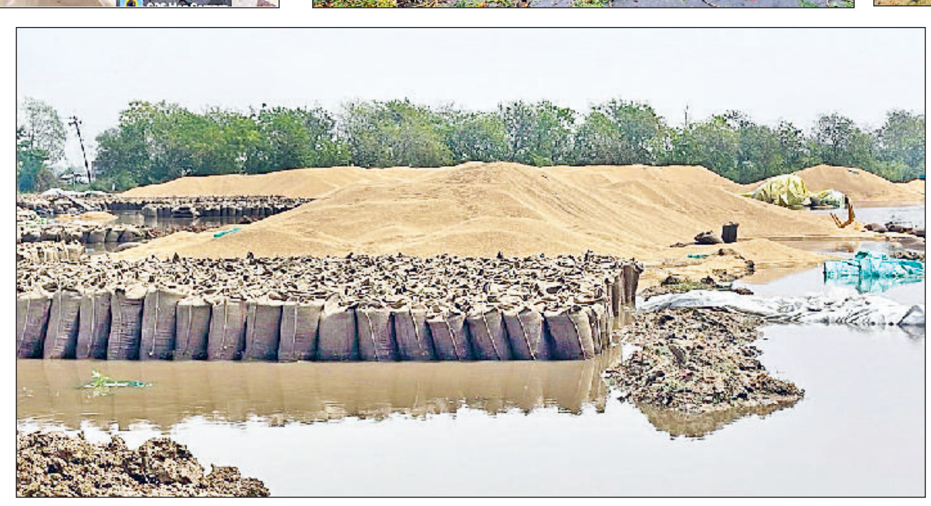

कस्बों व ग्रामीण इलाकों में पीने के पानी की सप्लाई नहीं छोड़ी गई। चूंकि शुक्रवार दोपहर बाद तक किसी भी इलाके में बिजली की सप्लाई चालू नहीं हो पाई थी। जिसके चलते पानी की सप्लाई शुरू ही नहीं हुई। यह स्थिति लोहारू, बहल,सिवानी, बवानीखेड़ा की रही। वहां पर भी पीने के पानी की सप्लाई नहीं दी गई। इन सभी जगहों पर जलघरों से बिजली के पैम्पसेटों से सप्लाई दी जाती है।

चार डिग्री सेल्सियस लुढ़का पारा

शुक्रवार अल सुबह आई तेज बारिश ने पारे के नखरे ढिले कर दिए। तेज बारिश की वजह से 41 डिग्री सेल्सियस से लूढक कर पारा 37 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। जिसके चलते लोगों को गर्मी की तपिश से राहत मिली। पूरे दिन लोगों को ठंड महसूस होती रही। यहां यह बताते चले कि पिछले कई दिनों से पारा 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास था। जिस वजह से आमजन को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही थी। बारिश के बाद आज पारा 37 डिग्री सेल्सियस आने पर लोगों को गर्मी से राहत मिली।

मंडियों में भीग गया पीला सोना

सरसों की सरकारी खरीद बंद हो गई,लेकिन अभी गेहूं की सरकारी खरीद जारी है। हालांकि अभी भी मंडियों में थोड़ी बहुत सरसों पहुंच रही है। पर वह सरसों बाजार भाव पर बिक रही है। वहीं अनाजमंडी गेहूं से अटी हुई है। गेहूं की लिफिटंग न होने से मंडियों में बोरियों पर बोरियां अड़ी है। अधिकांश गेहूं मंडी में शैडों की बजाए खुले आसमान के नीचे पड़ा है। रात को आई तेज बारिश से गेहूं पूरी तरह से भीग गया। यहां तक कि अनाजमंडी में जिस तरफ ज्यादा ढलान थी। उस इलाके में एक से डेढ फुट तक बारिश का पानी जमा हो गया। कई जगहों पर तो बारिश के पानी से एक फुट तक गेहूं की बोरियां डूबी हुई थी। जो गेहूं बारिश में भीगा है। उस गेहूं की गुणवता प्रभावित होना लाजिमी है। पर अब देखना ये है कि अब इस गेहूं को आढती सुखाकर गोदामों में भेजते है।

प्रशासन की खुली पोल, कहीं डेढ से दो फुट तक पानी जमा हुआ

अल सुबह आई तूफानी बारिश ने जिला प्रशासन की पूरी तरह से पोल खोल दी। नाले व नालियों की सफाई न होने की वजह से बारिश के पानी की सही ढंग से निकासी होने की बजाए सड़कों पर फैल गया। हालात ये बने कि तेज बारिश के चलते शहर में अनेक जगहों पर आधा से एक फुट तक पानी जमा हो गया। लोगों को बारिश के पानी से ही होकर निकलना पड़ा। क्योंकि अभी तक जिला प्रशासन ने बारिश के पानी की निकासी की कोई व्यवस्था नहीं की। जिस वजह से बारिश थमने के तीन घंटे बाद भी शहर के अनेक जगहों पर बारिश का पानी जमा रहा।

दर्जनों गांवों की बिजली बाधित, कर्मचारी कड़ी मशक्कत के साथ जुटे

बवानीखेड़ा। वीरवार रात 2 बजे से शुरू ही आंधी तूफान के साथ मुसलाधार बारिश ने अपने ही बरसों पुराने रिकार्ड को ध्वस्त कर दिया। वहीं आंधी तूफान का सबसे बड़ा नुकसान बिजली निगम को हुआ। दर्जनों ट्रांसफार्मर टूट गए तो सैंकड़ों खंभे टूटकर जमीन पर गिर गए, अनेक स्थानों पर जमीन भी बारिश से इतनी डर गई की धरती ने अपना सीना फाड दिया। वहीं वीके फोटोस्टेट के पीछे खाली मैदान में पानी भर गया व गाड़िया लोहार बस्ती डूब गई। बवानी खेड़ा उपमंडल अभियंता राजेन्द्र कुमार ने बताया कि निगम के अंतर्गत आने वाले एरिया में शहर को मिलाकर लगभग 150 बिजली के पोल टूट गए और आधा दर्जन से अधिक ट्रासफार्मर गिरकर नष्ट हो गए वहीं 33 केवी के अनेकों पोल को भी नुकसान हुआ है। वहीं अनाज मंडी में खुले में रखी गेहूं व सरसों बारिश की भेंट चढ़ गई। जहां किरयाणा की दुकानों में फर्श पर रखा सामान नष्ट हो गया तो घड़ीसाज की घडी में पानी घुस गया। कई अन्य दुकानों में भी पानी भर गया।

बवानीखेड़ा। बारिश के बाद जलभराव व टूटे पोल क्षेत्र का निरीक्षण करते नपा चेयरमैन सुंदर अत्री।

चेयरमैन ने लिया जायजा: आंधी तूफान व मुसलाधार बारिश के कारण दुकानदारों की दुकानों में हुए नुकसान को लेकर नपा चेयरमैन सुंदर अत्री द्वारा पूर्व नपा पार्षद गजेन्द्र कौशिक, मनीष शंकर संग पहुंचकर दुकानदारों का हालचाल जाना। दुकानदारों ने भी नाले की बिगड़ी हालत को दुरूस्त करवाने सहित पानी निकासी की समस्या करने बारे आग्रह किया जिस पर प्रधान ने जल्द ही समस्या का समाधान करवाने की बात कही और ईशारा किया कि दुकानदारों को भी एकजुट होकर व्यापार मंडल का संगठन बनाने की जरूरत है।

दादरी में तेज आंधी व बारिश से सड़कों पर पेड़ गिरे, बिजली गुल

चरखी दादरी। दादरी जिले में बीती देर रात तेज आंधी और बारिश हुई। आंधी से हजारों पेड़ गिरने से रास्ते बंद हो गए। कुछ जगहों पर पोल गिरने से बिजली गुल रही, वहीं मंडियों में खुले में पड़ा हजारों क्विंटल अनाज भीग गया। बीती देर रात करीब एक बजे तेज आंधी शुरू हो गई। आंधी से सांवड़ से भिवानी रोड, रोहतक रोड, बाढ़डा रोड सहित अन्य मार्गों पर हजारों पेड़ गिरने से रास्ते बंद हो गए। सुबह 10 बजे तक वन विभाग के कर्मचारियों ने गिरे पेड़ों को हटाया। वहीं बारिश से मंडियों में हजारों क्विंटन अनाज भीग गया।

टीबी मुक्त भारत अभियान में सराहनीय कार्य करने पर जेसीआई को सांसद ने किया सम्मानित

- जेसीआई ने टीबी के 10 मरीजों को गोद लेकर लगातार 6 माह तक उनकी देखभाल कर उन्हें टीबी मुक्त बनाए जाने का बीड़ा उठाया हुआ है।

भिवानी। सरकार देश को टीबी मुक्त बनाने के लिए योजना चलाई हुए है, जिसके तहत टीबी के मरीजों को निःशुल्क उपचार एवं दवाईयां दी जाती है, ताकि टीबी की बीमारी को जड़ से खत्म किया जा सके। टीबी मुक्त भारत अभियान को गति देने के लिए जेसीआई ने टीबी के 10 मरीजों को गोद लेकर लगातार 6 माह तक उनकी देखभाल कर उन्हें टीबी मुक्त बनाए जाने का बीड़ा उठाया हुआ है। सरकार के टीबी मुक्त भारत अभियान में सराहनीय कार्य करने पर राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने जेसीआई भिवानी के सदस्यों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर उपायुक्त महावीर कौशिक, सीएमओ डॉ. रघुवीर शांडिल्य, क्षय रोग विभाग इंचार्ज सुमन विश्वकर्मा मौजूद रही।

लोहारू नपा की हाउस की बैठक में कई विषयों पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

नगरपालिका कार्यालय परिसर में बीते दिवस चेयरमैन प्रदीप तायल की अध्यक्षता में हाउस की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सभी पार्षदों के साथ मिलकर शहर के विकास पर चर्चा की गई और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर मुहर लगाई गई।

चेयरमैन प्रदीप तायल ने कहा कि सभी पार्षदों और शहर के गणमान्य लोगों के साथ मिलकर लोहारू शहर को आदर्श शहर बनाया जाएगा। बैठक में मौजूद पार्षद वार्ड न. एक से पूजा, वार्ड न. 2 से सुनील सौलंकी, वार्ड न. 3 से राजेश सैनी, वार्ड न. 4 से महेश गांधी, वार्ड न. 5 से संजू कुमारी, वार्ड न. 6 से प्रीति, वार्ड न. 7 से अशोक सैनी, वार्ड न. 8 से संतालाल, वार्ड न. 9 से रवि अग्रवाल, वार्डन. 10 से जयसिंह सैनी, वार्ड न. 11 से पूजा सैनी, वार्ड न. 12 से दिव्या सैनी, वार्ड न. 13 से अजय शर्मा और वार्ड न. 14 से अंतर सिंह ने चेयरमैन प्रदीप तायल के शहर की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ करने की दिशा में शहर में सीसीटीवी कैमरे लगाने की योजना पर चर्चा की गई। शहर को अतिक्रमण मुक्त करने, आगामी बरसाती सीजन को ध्यान में रखते हुए नालियों और नालों की सफाई करवाने, विद्यार्थियों के लिए ई-लाइब्रेरी बनाने के लिए स्थान चिन्हित करने, शहर की क्षतिग्रस्त सडक़ों के सुधारीकरण सहित अनेक योजनाओं पर चर्चा करते हुए सहमति जताई गई।

लोहारू। नगरपालिका कार्यालय में हाउस की बैठक की अध्यक्षता करते हुए चेयरमैन प्रदीप तायल।

पंजाब के साथ पानी के मसले को जल्दी ही सुलझा दिया जाएगा

चिंता करने की जरूरत नहीं : किरण चौधरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने कहा कि पंजाब के साथ पानी के मसले को केंद्र और राज्य सरकार के नेताओं द्वारा जल्दी ही सुलझा दिया जाएगा। किसानों व आमजन को पानी को लेकर किसी प्रकार की चिंता करने की जरूरत नहीं है। हरियाणा के हिस्से का पानी हरियाणा को जरूर मिलेगा। हरियाणा सरकार किसानों और आमजन के साथ खड़ी है।

राज्यसभा सांसद किरण चौधरी वीरवार को तोशाम हल्का के गांव आलमपुर, थिलोड़, पटौदी तथा सण्डवा में जन समस्याएं सुनने के उपरांत जनसभाओं को संबोधित कर रही थी।

तोशाम। लोगों को संबोधित करती राज्य सभा सांसद किरण चौधरी।

- आलमपुर में 15 लाख की लागत से अनुसूचित जाति की चौपाल तथा 1.65 करोड़ की लागत से पटौदी कलां तथा पटौदी खुर्द की फिरनी का किया उद्घाटन

इस दौरान किरण चौधरी ने गांव आलमपुर में 15 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित अनुसूचित जाति चौपाल का उद्घाटन किया। उन्होंने गांव पटौदी कला व खुर्द में करीब 1.65 करोड रुपए की लागत से नव निर्मित फिरनी का उद्घाटन किया। उन्होंने गांव आलमपुर में 50 लाख रुपए के विकास कार्यों की घोषणा की। उन्होंने गांव थिलोड़ में चकबंदी के कार्य में अधिकारियों को तेजी लाने के निर्देश दिए। चकबंदी का कोई कार्य लंबित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने किसानों से टपका सिंचाई व फवारा सिस्टम पर आधारित खेती करने का आह्वान किया और सिंचाई की नवीनतम तकनीक अपनाने को कहा। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसंपर्क अभियान के दौरान आने वाली समस्याओं का समयबद्ध तरीके से निदान करें। जनसंपर्क अभियान के दौरान ग्रामीणों द्वाराकिरण चौधरी का फूल मालाओं के साथ और सम्मान सूचक पगड़ी बांध कर जोरदार स्वागत किया गया।

डिमांड 900 क्यूसेक की, मिला 200 क्यूसेक पांनी जलघर और तालाब भरने के लिए बनाई रणनीति

चरखी दादरी। विभाग ने लोहारू फीडर में 900 पानी की डिमांड भेजी थी, लेकिन 200 क्यूसेक पानी ही मिल पाया है, जिससे पेयजल किल्लत बनने की संभावना बन गई है। सिंचाई विभाग ने नहरी पानी की कमी को देखते हुए 24 घंटे निगरानी का निर्णय लिया है। इसी सिलसिले में अधीक्षक अभियंता दिनेश राठी की अध्यक्षता में मीटिंग हुई, जिसमें मौजूदा समय में चल रहे जलसंकट से निपटने पर चर्चा हुई और उन्होंने निगरानी के लिए अलग अलग टीमों का गठन किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में लोहारू फीडर में 900 क्यूसेक पानी की डिमांड है, लेकिन 200 क्यूसेक से भी कम पानी मिल रहा है जो कि दादरी जिले में टैंकों और तालाबों को भरने के लिए काफी नहीं है। इस समस्या से निपटने के लिए और कम पानी में सभी टैंक तालाब भरने के लिए जन स्वास्थ्य विभाग को अतिरिक्त प्रबंध करने को कहा गया है। मौजूदा समय में चल रहे जल संकट से निपटने के लिए अधिकारियों द्वारा टैंकों और तालाबों को भरने की पूरी कोशिश की जा रही है। नहरों की निगरानी के लिए आठ उपमंडल अधिकारी व जूनियर इंजीनियर की टीम गठित की गई।

भिवानी। अधिकारियों के साथ बैठक करते अधीक्षक अभियंता दिनेश राठी।

अच्छी कमाई के लिए रोबोटिक इंजीनियरिंग में बनाएं करियर

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

रोबोटिक इंजीनियरिंग एक ऐसा कोर्स है जिसकी मौजूदा समय में काफी डिमांड बढ़ गई है। यह ऐसा कोर्स है, जिसको करने के बाद स्टूडेंट्स के लिए जॉब के काफी अवसर बढ़ जाते हैं, अच्छी बात यह है कि ये कोर्स आप देश और विदेश दोनों जगह से कर सकते हैं। इसमें खर्च भी बहुत अधिक नहीं आता है। जॉब और मुनाफे के लिहाज से भी इस कोर्स की काफी अहमियत है। आने वाला समय रोबोट का ही है। ऐसे में इस फील्ड में नौकरी के बहुत अच्छे अवसर मिलेंगे। ऐसे में इस खबर के जरिए हम आपको बताएंगे कि आखिर इस कोर्स को करने के लिए आपके पास क्या योग्यता होनी चाहिए और आप इसमें कैसे करियर बना सकते हैं।

क्या है रोबोटिक इंजीनियरिंग

यह एक तरह का ऑटोमेटिक मैकेनिकल डिवाइस है, जो कंप्यूटर प्रोग्रामिंग या मशीनी प्रोग्रामिंग भाषा की सहायता से काम करता है। इस सिस्टम में सेंसर, कंट्रोल सिस्टम, पावर सप्लाई और सॉफ्टवेयर जैसी चीजें एक साथ वर्क करती हैं। अगर हम रोबोटिक्स इंजीनियरिंग की बात करें तो यह कई ब्रांचों से मिलकर बनी है। इसमें कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर और मैकेनिकल इंजीनियर मिलकर रोबोट के डिजाइन, कंस्ट्रक्शन, पावर सप्लाई, इन्फॉर्मेशन प्रोसेसिंग और सॉफ्टवेयर पर काम करता है।

जरूरी योग्यता क्या हैं

रोबोटिक्स के क्षेत्र में अगर आप अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं क्लास साइंस स्ट्रीम से करना होगा। इसके बाद आप मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, बीई या कंप्यूटर साइंस जैसे कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं। वहीं, बैचलर की डिग्री पूरी करने के बाद आप रोबोटिक्स में मास्टर्स डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। इस क्षेत्र में अच्छा करियर बनाने के लिए आपको इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल और कंप्यूटर साइंस में जुड़ी अच्छी जानकारी होनी चाहिए। रोबोटिक कोर्स एक तरह से लॉन्गटर्म रिसर्च ओरिएंटिड कोर्स है। आप इस क्षेत्र से जुड़े कुछ शार्ट टर्म्स कोर्सेज जैसे आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, एडवांस रोबोटिक्स सिस्टम भी करके अपना करियर बना सकते हैं।

आखिर क्यों खास है यह कोर्स

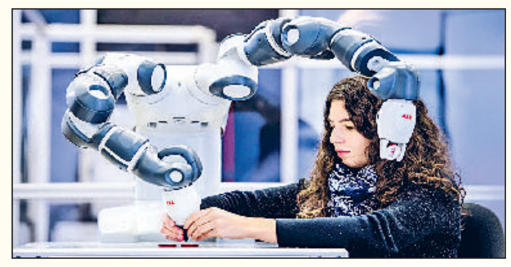

रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन इंजीनियरिंग करने के बाद आपके पास अनगिनत जॉब के मौके होते हैं। ये कोर्स करने के बाद आप रोबोट के रिसर्च एंड डेवलपमेंट, रोबोट मैन्युफैक्चरिंग एंड टेस्टिंग, क्वालिटी कंट्रोल के सेक्टर में कार्य कर सकते हैं। यहां पर आप रोबॉटिक्स इंजीनियर, रोबॉटिक्स साइंटिस्ट, टेक्नीशियन के तौर पर जॉब कर सकते हैं। वहीं रोबोटिक्स में मास्टर डिग्री करने वाले छात्र इसरो और नासा जैसे अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन में जा सकते हैं। इस फील्ड के उम्मीदवारों को नासा के अलावा अन्य बहुत से प्राइवेट इंडस्ट्रीज, ऑटोमोबाइल्स और इंडस्ट्रीयल टूल्स में जॉब के अवसर मिलते हैं। इसके अलावा आप चाहें तो सेफ्टी रोबोटिक्स जैसे कि मिलिट्री या बम्ब निष्क्रिय करने वाले रोबोटिक्स के सेक्टर में भी करियर बना सकते हैं। इन जगहों पर आपको रोबोटिक्स प्रोग्रामर, रोबोटिक्स डिजाइन इंजीनियर, रोबोटिक्स सिस्टम इंजीनियर, रोबोट टेस्ट इंजीनियर, ऑटोमेटेड प्रोडक्ट डिजाइन इंजीनियर जैसे जॉब प्रोफाइल पर रहकर कार्य करना होगा।

यहां-यहां कर सकते हैं कोर्स

रोबोटिक्स इंजीनियरिंग आप इंडिया में भी कर सकते हैं, क्योंकि यह कोर्स आईआईटी हैदराबाद, कानपुर, मुंबई, दिल्ली, गुवाहाटी, मद्रास, रूड़की सहित विदेश से भी कर सकते हैं। इसके लिए आप सबसे पहले यह स्टडी करें कि किस यूनिवर्सिटी से कोर्स करना चाहते हैं। वहां पाठ्यक्रम विवरण, निवास के लिए आवश्यक शर्तें और रोजगार परमिट, ट्यूशन खर्च और अन्य जानकारी सहित सभी प्रासंगिक जानकारी की जांच अवश्य कर लें।

कॉलेज	शहर
इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी	कानपुर
इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी	हैदराबाद
इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी	रुड़की
एमिटी यूनिवर्सिटी	गुरुग्राम
मणिपाल इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी	मणिपाल
चिल्ड्रन्स यूनिवर्सिटी	वडोदरा
यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग	हैदराबाद
गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी	दिल्ली
एनआईई मैसूर	मैसूर
पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी	कोयंबटूर
इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ इन्फॉर्मेशन	इलाहाबाद

जर्मनी से कर सकते हैं कम खर्च में डिग्री

जर्मनी में विश्वविद्यालय रोबोटिक्स में मास्टर डिग्री प्राप्त करने के इच्छुक भारतीय छात्रों सहित अंतरराष्ट्रीय छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं। जर्मनी में, कई विश्वविद्यालय रोबोटिक्स कायक्रम में मास्टर्स डिग्री एमएस के लिए अच्छे अवसर हैं। रोबोटिक्स प्रोग्राम में जर्मन मास्टर का कोर्स दो साल तक चलता है और 5,000 से 20,000 यूरो के बीच खर्च होता है। यहां कोर्स करने के बाद छात्रों के लिए कॅरियर के अच्छे अवसर हैं।

यहां मिलेंगे ये जॉब करने के अच्छे अवसर

रोबोटिक्स इंजीनियरिंग करने के बाद आपके लिए जॉब के कई अवसर खुल जाते हैं, आप सेफ्टी रोबोटिक्स में जैसे मिलिट्री या बम निष्क्रिय करने वाले सेक्टर में करियर बनाने के साथ ही रोबोटिक्स प्रोग्रामर, रोबोटिक्स डिजाइन इंजीनियरिंग, रोबोटिक्स सिस्टम इंजीनियर, रोबोट टेस्ट इंजीनियर, ऑटोमेटेड प्रोडक्ट डिजाइन इंजीनियर जैसे जॉब प्रोफाइल में रहकर काम करना होगा। रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन इंजीनियरिंग करने के बाद आपके पास जॉब के कई विकल्प होते हैं। यही कारण है कि अब रोबोटिक्स इंजीनियरिंग की डिमांड बढ़ती जा रही है। रोबोटिक्स इंजीनियरिंग एक हाई सैलरी प्रोफेशन है। रोबोटिक्स इंजीनियरिंग के बाद आपके पैकेज की शुरुआत प्रति वर्ष 10 लाख रुपये से 20 लाख रुपये प्रति वर्ष के बीच होती है, जो आपके अनुभव के अनुसार बढ़ती रहती है।

तकनीकी उपकरणों से बातचीत के तरीकों में बढ़ाएं रुचि

वॉइस यूजर इंटरफेस डिजाइनर ; शानदार करियर विकल्प, रचनात्मकता और तकनीकी ज्ञान का मेल

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

यदि आप भी तकनीकी उपकरणों से बातचीत के नए तरीकों में रुचि रखते हैं और यह मानते हैं कि भविष्य में लोग स्क्रीन की बजाय अपनी आवाज़ से उपकरणों को संचालित करेंगे, तो वॉइस यूज़र इंटरफ़ेस डिज़ाइनर बनना एक शानदार करियर विकल्प हो सकता है। यह पेशा रचनात्मकता, भाषा और तकनीकी ज्ञान का मेल है, जो डिजिटल दुनिया को और अधिक मानवीय तथा सहज बनाता है। एक वॉइस यूज़र इंटरफ़ेस डिज़ाइनर का मुख्य कार्य यह सुनिश्चित करना होता है कि उपयोगकर्ता किसी मशीन या सॉफ़्टवेयर से स्वाभाविक और प्रभावी संवाद कर सके। वे यह तय करते हैं कि उपयोगकर्ता क्या बोलेंगे, प्रणाली कैसे समझेगी, और उसे कैसे उत्तर देना चाहिए। इसके लिए उन्हें उपयोगकर्ता अनुभव (यूएक्स), भाषाविज्ञान, मनोविज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का अच्छा ज्ञान होना चाहिए।

प्रमुख कार्य क्षेत्र

- मार्ट स्पीकर और डिजिटल सहायक : जैसे अमेजन एलेक्सा, गूगल असिस्टेंट
- स्वचालित वाहन प्रणालियां : आवाज़ द्वारा कार को नियंत्रित करना
- स्वास्थ्य सेवाएं : रोगियों से वॉइस नोट लेना, दवा रिमाइंडर
- ग्राहक सेवा केंद्र : आवाज़ आधारित उत्तरदाता प्रणाली
- शिक्षा और विशेष आवश्यकता वाले उपयोगकर्ता : दृष्टिहीन या अशक्तजनों के लिए वॉइस टूल्स

रोज़गार के अवसर

वॉइस यूज़र इंटरफ़ेस डिज़ाइन केवल तकनीकी कंपनियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हेल्थकेयर, ऑटोमोबाइल, एजुकेशन, बैंकिंग, कस्टमर सर्विस और एंटरटेनमेंट जैसे अनेक क्षेत्रों में तेजी से फैल रहा है। जैसे-जैसे लोग वॉइस असिस्टेंट्स और स्मार्ट डिवाइसेज़ के ज़रिए तकनीक से जुड़ने लगे हैं, वैसे-वैसे इस क्षेत्र में विशेषज्ञों की मांग भी बढ़ती जा रही है। एक वॉइस यूआई डिज़ाइनर न केवल टेक्नोलॉजी कंपनियों में नौकरी कर सकता है, बल्कि स्वतंत्र कंसल्टेंट, स्टार्टअप संस्थापक या शोधकर्ता के रूप में भी अपनी भूमिका निभा सकता है। इस क्षेत्र में अनुभव के साथ आप प्रोडक्ट लीड, यूएक्स डायरेक्टर या एआई डिज़ाइन स्ट्रैटजिस्ट जैसी महत्वपूर्ण भूमिकाओं तक पहुँच सकते हैं।

डिजिटल दुनिया को सहज बनाने में सक्षम

तेज़ी से उभरता हुआ करियर

वॉइस यूज़र इंटरफ़ेस डिज़ाइन एक तेज़ी से उभरता हुआ और भविष्य-केन्द्रित क्षेत्र है, जिसमें संवाद, भाषा और तकनीकी समझ का अद्भुत मिश्रण होता है। यदि आप मानवीय अनुभव को तकनीकी दुनिया से जोड़ने में रुचि रखते हैं, तो यह करियर आपके लिए एक उपयुक्त विकल्प हो सकता है।

सुझाव: किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह ज़रूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप www.career-jaano.com पर भी विज़िट कर सकते हैं।

शिक्षा और योग्यता

भाषा विज्ञान के संगम पर आधारित

वॉइस यूज़र इंटरफेस डिज़ाइन एक ऐसा क्षेत्र है जो तकनीक, डिज़ाइन और भाषा विज्ञान के संगम पर आधारित है। इस क्षेत्र में सफल करियर के लिए केवल तकनीकी ज्ञान ही नहीं, बल्कि मानव व्यवहार, संवाद शैली और डिज़ाइन सोच की भी अच्छी समझ होना ज़रूरी है। इसलिए यह अनुशंसा की जाती है कि विद्यार्थी बहु-विषयक पढ़ाई करें, जिसमें कंप्यूटर विज्ञान, मानव-कंप्यूटर इंटरफ़ेस, भाषाविज्ञान, और डिज़ाइन जैसे विषय शामिल हों। आज कई अग्रणी संस्थान इन विषयों में विशेष पाठ्यक्रम (कोर्स) प्रदान करते हैं, जिससे छात्रों को इस क्षेत्र की ठोस नींव मिल सके। वॉइस यूज़र इंटरफ़ेस डिज़ाइन में करियर बनाने के लिए आप नीचे दिए गए विषयों में पढ़ाई कर सकते हैं।

यह पढ़ाई करें

- उपयोगकर्ता अनुभव डिज़ाइन (यूएक्स डिज़ाइन)
- कंप्यूटर विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)
- भाषाविज्ञान और मनोविज्ञान
- संचार एवं मीडिया अध्ययन
- सांख्यिकी एवं डेटा विश्लेषण

यहां मिलेगी सफलता

कम्युनिकेशन डिज़ाइन : प्रभावी वाक्य संरचना और प्रतिक्रिया योजना
उपयोगकर्ता व्यवहार की समझ : बातचीत करने के तरीके समझना
स्वर विश्लेषण और भाषाई प्रसंस्करण (स्पीच प्रोसेसिंग एवं एनएलपी)
डिज़ाइन उपकरणों का उपयोग जैसे वौइस् फ्लो, फिगमा, डायलॉगफ़्लो
डेटा विश्लेषण एवं उपयोगकर्ता परीक्षण

प्रमुख शैक्षणिक संस्थान और पाठ्यक्रम

सरकारी संस्थान

1. **भारतीय** प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), बॉम्बे
ह्यूमन कंप्यूटर इंटरेक्शन और डिज़ाइन में स्नातकोत्तर
2. **भारतीय** सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी), हैदराबाद
पाठ्यक्रम: एनएलपी और मशीन लर्निंग में एम.टेक
3. **भारतीय** विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु
पाठ्यक्रम: कंप्यूटर साइंस एंड नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग में अनुसंधान कार्यक्रम
4. **जवाहरलाल** नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली
पाठ्यक्रम: लैंग्वेज इंटरफ़ेस में एम.ए./एम.फिल
5. **भारतीय** जन संचार संस्थान (आईआईएमसी), नई दिल्ली
पाठ्यक्रम: डिजिटल मीडिया और कम्युनिकेशन डिज़ाइन में

निजी संस्थान

1. **पर्ल अकादमी,** नई दिल्ली/मुंबई
पाठ्यक्रम: डिजिटल इंटरफ़ेस डिज़ाइन में स्नातक कार्यक्रम
2. **एमिटी** विश्वविद्यालय, नोएडा
पाठ्यक्रम: यूजर इंटरफेस एवं डिज़ाइन में बी.डिज़ाइन
3. **मणिपाल** प्रौद्योगिकी संस्थान, कर्नाटक
पाठ्यक्रम: कंप्यूटर विज्ञान और आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस में बी.टेक
4. **सिम्बायोसिस** इंस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन, पुणे
पाठ्यक्रम: वौइस् और इंटरफ़ेस डिज़ाइन में स्नातक कोर्स
5. **अपग्रेड** (ऑनलाइन), गूगल प्रमाणन के साथ
पाठ्यक्रम: वौइस् बेस्ड इंटरफ़ेस डिज़ाइन और यूजर एक्सपीरियंस में सर्टिफिकेट कोर्स

आवश्यक कौशल

वॉइस यूज़र इंटरफ़ेस डिज़ाइनर बनने के लिए तकनीकी दक्षता के साथ-साथ संवाद कौशल, रचनात्मकता और उपयोगकर्ता की सोच को समझने की क्षमता भी आवश्यक होती है। इस पेशे में आपको मशीन को इंसानों की तरह सोचने और बोलनेे लायक बनाना होता है, इसलिए संवाद संरचना, उपयोगकर्ता अनुभव डिज़ाइन, और मशीन लर्निंग जैसे क्षेत्रों की जानकारी अनिवार्य है। इसके अलावा, अलग-अलग उपकरणों और सॉफ़्टवेयर का प्रयोग, उपयोगकर्ता परीक्षण, और बहुभाषी इंटरफ़ेस डिज़ाइन करने की क्षमता भी इस क्षेत्र में सफलता दिला सकती है।

योग्यता

तकनीकी कंपनियां : गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़न, टाटा एलेक्सी
ऑटोमोबाइल कंपनियां : टेस्ला, महिंद्रा, टाटा मोटर्स
स्वास्थ्य सेवाएं : एआई हेल्थ स्टार्टअप्स जैसे 1 एमजी, पोर्टिया
डिज़ाइन एजेंसियां : टीसीएस इंटरएक्टिव, ओगिल्वी डिज़ाइन
फ्रीलांस कार्य : प्रोजेक्ट आधारित स्वतंत्र काम और परामर्शदाता सेवाएं

वेतन और संभावनाएं

भारत में भी डिजिटलीकरण और बहुभाषी वॉइस असिस्टेंट्स की आवश्यकता को देखते हुए यह क्षेत्र भविष्य में अपार संभावनाएं प्रदान करता है। यदि आप तकनीकी विशेषज्ञता के साथ-साथ रचनात्मक और भाषाई सोच रखते हैं, तो यह क्षेत्र आपके लिए वैश्विक अवसरों के द्वार खोल सकता है। एक वॉइस यूज़र इंटरफ़ेस डिज़ाइनर के लिए निम्न प्रकार के वेतन एवं अवसर होते है।

- **प्रारंभिक वेतन:** 40,000 से 80,000 रुपये प्रतिमाह
- **मध्यम अनुभव (5 वर्षों तक):** 1,00,000 से 2,50,000 रुपये प्रतिमाह
- **वरिष्ठ स्तर:** 25 लाख से 40 लाख रुपये वार्षिक (कंपनियों और अनुभव पर निर्भर)
- **फ्रीलांसर:** प्रति प्रोजेक्ट 1 लाख से 5 लाख रुपये तक या 1,000 से 5,000 रुपये प्रति घंटा

प्रेरणा का आधार बाहरी सामाजिक अपेक्षाओं में नहीं, बल्कि आत्म-जागरूकता में निहित

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

आज की तेज़-रफ़्तार दुनिया में विद्यार्थियों के सामने न केवल शैक्षिक चुनौतियां हैं, बल्कि सामाजिक, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक दबाव भी हैं। प्रेरणा, जो कभी केवल "कड़ी मेहनत" और "लक्ष्य प्राप्ति" के इर्द-गिर्द घूमती थी, अब एक गहरे और समग्र दृष्टिकोण की मांग करती है। यह लेख विद्यार्थी प्रेरणा को एक नए, अनोखे नजरिए से देखता है, जो परंपरागत तरीकों से हटकर है और आत्म-खोज, रचनात्मकता, और आंतरिक शक्ति पर केंद्रित है। प्रेरणा का आधार बाहरी पुरस्कारों या सामाजिक अपेक्षाओं में नहीं, बल्कि आत्म-जागरूकता में निहित है। विद्यार्थियों को यह समझने की जरूरत है कि वे कौन हैं, उनकी रुचियां क्या हैं, और वे क्या हासिल करना चाहते हैं। यह प्रक्रिया एक डायरी लिखने, ध्यान करने, या अपने शौक को समय देने जैसी छोटी-छोटी गतिविधियों से शुरू हो सकती है।

रुचियां और पढ़ाई हो सकते हैं एक-दूसरे के पूरक

उदाहरण के लिए, अगर कोई विद्यार्थी संगीत में रुचि रखता है, तो उसे गणित को संगीत की लय से जोड़कर समझाया जा सकता है। यह न केवल विषय को रोचक बनाता है, बल्कि विद्यार्थी को यह एहसास भी दिलाता है कि उसकी रुचियाँ और पढ़ाई एक-दूसरे के पूरक हो सकते हैं।

असफलता को गले लगाना : हमारे समाज में असफलता को अक्सर नकारात्मक रूप में देखा जाता है, लेकिन इसे प्रेरणा का एक शक्तिशाली स्रोत बनाया जा सकता है। विद्यार्थियों को यह सिखाना जरूरी है कि असफलता अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। इसके लिए शिक्षकों और अभिभावकों को "ग्रोथ माइंडसेट" को प्रोत्साहित करना चाहिए। यह दृष्टिकोण विद्यार्थियों को विश्वास दिलाता है कि मेहनत और अभ्यास से वे बेहतर हो सकते हैं।

एक मजेदार गतिविधि हो सकती है: विद्यार्थियों से उनकी "सबसे बड़ी असफलता" की कहानी लिखने को कहें और फिर उससे क्या सीखा, यह साझा करने को कहें। यह न केवल उन्हें आत्म-विश्लेषण करने में मदद करता है, बल्कि उनके अंदर यह विश्वास भी जगाता है कि हर चुनौती एक अवसर है।

रचनात्मकता को प्रेरणा का ईंधन बनाना: पारंपरिक प्रेरणा तकनीकें जैसे टाइम-टेबल बनाना या इनाम की उम्मीद करना अब पुरानी पड़ चुकी हैं। आज के विद्यार्थी रचनात्मकता से प्रेरित होते हैं।

समुदाय और सहयोग की शक्ति

प्रेरणा केवल व्यक्तिगत नहीं होती; यह सामूहिक भी हो सकती है। जब विद्यार्थी एक-दूसरे के साथ सहयोग करते हैं, तो वे न केवल नई चीज़ें सीखते हैं, बल्कि एक-दूसरे को प्रेरित भी करते हैं। समूह प्रोजेक्ट्स, पीयर-टू-पीयर शिक्षण, या क्लब गतिविधियाँ विद्यार्थियों में यह भावना जगाती हैं कि वे अकेले नहीं हैं। स्कूलों में "प्रेरणा सर्कल" बनाए जा सकते हैं, जहाँ विद्यार्थी सप्ताह में एक बार इकट्ठा होकर अपनी उपलब्धियाँ, चुनौतियाँ, और सपने साझा करें। यह न केवल उन्हें भावनात्मक समर्थन देता है, बल्कि एक सकारात्मक और प्रेरणादायक माहौल भी बनाता है।

प्रेरणा का रखरखाव: छोटे कदम, बड़े सपने प्रेरणा को बनाए रखने के लिए बड़े लक्ष्यों को छोटे-छोटे कदमों में तोड़ना जरूरी है। विद्यार्थियों को यह सिखाना चाहिए कि हर छोटी उपलब्धि मायने रखती है। उदाहरण के लिए, अगर कोई विद्यार्थी बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहा है, तो उसे हर अध्याय पूरा करने के बाद खुद को बधाई देने के लिए प्रोत्साहित करें। यह छोटी जीतें आत्मविश्वास को बढ़ाती हैं और लंबे समय तक प्रेरणा बनाए रखती हैं। साथ ही, विद्यार्थियों को यह भी याद दिलाना चाहिए कि प्रेरणा का मतलब हर समय उत्साहित रहना नहीं है। कुछ दिन आलस भरे हो सकते हैं, और यह ठीक है। ऐसे समय में खुद के साथ दयालु होना और धीरे-धीरे वापस लय में आना महत्वपूर्ण है।

सामान्य ज्ञान

1. किस हिमालय चोटी को सागरमाथा कहते हैं ?
(ए) नंगा पर्वत
(बी) धौलागिरि
(सी) माउंट एवरेस्ट
(डी) कंचनजंघा

2. एडमंड हिलेरी तथा तेनजिंग नोर्गे द्वारा विश्व की सर्वोच्च पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट पर सबसे पहले किस वर्ष विजय प्राप्त की गई ?
(ए) 1898 ई. में
(बी) 1953 ई. में
(सी) 1957 ई. में
(डी) 1969 ई. में

3. नंदा देवी चोटी है -
(ए) असम हिमालय का भाग
(बी) कुमायूं हिमालय का भाग
(सी) नेपाल हिमालय का भाग
(डी) पंजाब हिमालय का भाग

4. हिमालय पर्वत की एक श्रेणी अराकानयोमा कहाँ स्थित है ?
(ए) बलूचिस्तान
(बी) म्यांमार
(सी) नेपाल
(डी) थाईलैंड

5. जम्मू-कश्मीर में स्थित निम्नलिखित पर्वत श्रेणियों का पूर्व से पश्चिम की ओर क्रम होगा 1. जास्कर श्रेणी 2. पीरपंजाल श्रेणी 3. काराकोरम श्रेणी 4. लद्दाख श्रेणी
(ए) 4,3,1,2
(बी) 2,1,3,4
(सी) 3,4,1,2
(डी) 1,2,3,4

6. भारत की सर्वोच्च पर्वत श्रेणी कौन - सी है ?
(ए) गॉडविन ऑस्टिन
(बी) कंचनजंघा
(सी) नंदा देवी
(डी) एवरेस्ट

7. कुल्लू घाटी निम्नलिखित पर्वत श्रेणियों के बीच अवस्थित है -
(ए) धौलाधार तथा पीरपंजाल
(बी) रणज्योति तथा नागटिब्बा
(सी) लद्दाख तथा पीरपंजाल
(डी) मध्य हिमालय तथा शिवालिक

8. उत्तराखंड का सबसे ऊँचा पर्वत शिखर है -
(ए) बद्रीनाथ
(बी) केदारनाथ
(सी) कामेत
(डी) नंदादेवी

उत्तर 1.(सी) 2.(बी) 3.(बी) 4.(बी) 5.(सी) 6.(ए) 7.(ए) 8.(डी)

खबर संक्षेप

नारनौल। श्रमिकों को प्रसाद वितरित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

सामाजिक सरोकारों के प्रबल पैरोकार थे स्व. कांतिलाल

नारनौल। भारत विकास परिषद शाखा नारनौल के संस्थापक स्वर्गीय कांतिलाल सैनी की पुण्यतिथि पर आनंद रसोई के अंतर्गत परशुराम चौक पर लगभग 350 श्रमिकों के लिए भोजन की व्यस्था की गई। संयोजक डॉ संजय शर्मा एवम शाखा सचिव मुकेश जैन ने बताया कि स्व. कांतिलाल सैनी की धर्मपत्नी शारदा देवी, पुत्र विशाल सैनी और विवेक सैनी ने आज लेबर चौक पर उपस्थित लोगों के लिए भोजन व्यवस्था की। परिजनों ने अपने हाथों से श्रमिक भाई बहनों को भोजन करवाया।कांतिलाल सैनी सामाजिक सरोकारों के प्रबल पैरोकार थे। उन्होंने कहा कि स्व. कांतिलाल सैनी का जीवन मानव सेवा और समाज सेवा को समर्पित रहा था। उनकी पुण्य तिथि पर आनंद रसोई जैसे आयोजन ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है।

सत्संग व बौद्धिक कार्यक्रम आयोजित

नारनौल। मातृशक्ति हरियाणा सेवा प्रमुख डा. कृष्णा आर्या की देखरेख में सेक्टर में चल रहे बाल संस्कार केंद्र में साप्ताहिक सत्संग व बौद्धिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाएं, बच्चों व बुजुर्गों ने भाग लिया। कार्यक्रम का प्रारम्भ विश्व हिंदू परिषद की आचार पद्धति अनुसार दीप प्रज्वल मन्त्र, ओंकार मन्त्र, विजय महामंत्र, एकात्मकता मन्त्र से किया गया। वहीं बौद्धिक सत्र में डा. कृष्णा आर्या व प्रो. परमानन्द दीवान ने वीर प्रसूता सीता माता के जीवन चरित्र से जुड़े विविध विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला।
कृष्णा आर्या ने सीता के जीवन को पंच तत्वों से जोड़ते हुए कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वाभिमान, स्वावलम्बन, महिला शिक्षा व उत्थान से सम्बंधित प्रसंगों की सुन्दर व्याख्यान दिया।

मकान के ताले तोड़कर बुजुर्ग की नकदी चोरी

कुंड। मायन गांव में चोर एक बंद मकान के ताले तोड़कर बुजुर्ग की नकदी चोरी कर ले गए। थाना खोल पुलिस ने मौका मुआयना करने के बाद चोरी का केस दर्ज कर लिया। पुलिस शिकायत में 95 वर्षीय ओमप्रकाश ने बताया कि वह 14 अप्रैल को अपने दिल्ली मकान में गया था। जब वह दिल्ली से वापस गांव आया तो उसके मकान के कमरों के ताले टूटे हुए थे।

प्रशासन ने नीट को सुचारू और निष्पक्ष करवाने के किए पुख्ता प्रबंध

कल 8 केंद्रों पर 3392 परीक्षार्थी देंगे परीक्षा सुबह 11 से दोपहर डेढ़ बजे तक होगी एंट्री

- नीट परीक्षा के लिए डीसी ने ली अधिकारियों की बैठक
- परीक्षा के सुचारू व निष्पक्ष संचालन के लिए प्रशासन ने किए पुख्ता प्रबंध

नारनौल। अधिकारियों की बैठक लेते डीसी डा. विवेक भारती। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जिला महेंद्रगढ़ में आगामी चार मई को होने वाली नीट ययूजी परीक्षा का सुचारू और निष्पक्ष संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन की ओर से पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। उपायुक्त डा. विवेक भारती ने शुक्रवार को लघु सचिवालय में ड्यूटी मजिस्ट्रेट, नोडल ऑफिसर, केंद्र अधीक्षकों के साथ समीक्षा बैठक की। एसपी पूजा वशिष्ठ भी मौजूद थीं। डीसी ने बताया कि मेडिकल व डेंटल कॉलेजों में एमबीबीएस और बीडीएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नीट (नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट) प्रवेश परीक्षा के लिए जिले में कुल आठ परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। सभी केंद्रों पर 3392 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा दोपहर दो से पांच बजे तक है। केंद्र पर 11 बजे परीक्षार्थियों की एंट्री शुरू हो जाएगी। डेढ़ बजे के बाद कोई एंट्री नहीं होगी।

सेंटर में ले जा सकेंगे केवल पानी की पारदर्शी बोतल

उपायुक्त ने बताया कि नीट की परीक्षा के दौरान परीक्षार्थी अपने आई कार्ड के अलावा कोई भी सामान अंदर नहीं ले जा सकेगा। उन्होंने बताया कि कोई भी स्टेशनरी आइटम जैसे पाठ्य सामग्री (मुद्रित या लिखित), कागज के टुकड़े, ज्यामिति, पेन, पेंसिल बॉक्स, प्लास्टिक पाउच, कैलकुलेटर, स्केल, राइटिंग पैड, पेन ड्राइव, इरेजरए, लॉग टेबल, इलेक्ट्रॉनिक पेन, स्कैनर आदि सभी पर परीक्षा केंद्र के अंदर ले जाने पर पाबंदी रहेगी। कोई भी संचार उपकरण जैसे मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, इयरफोन, माइक्रोफोन, पेजर, हेल्थ बैंड अन्य आइटम जैसे वॉलेट, गॉगल्स, हैंडबैग, बेल्ट, कैप, घड़ी, ब्रेसलेट, कैमरा, कोई भी आभूषण, धातु आइटम, कोई भी खुला या पैक किया हुआ खाद्य पदार्थ आदि पर पाबंदी रहेगी। परीक्षार्थी अपने साथ पानी की केवल पारदर्शी बोतल ले जा सकते हैं। अनुचित साधन का प्रयोग के लिए किया जा सकता है जैसे कि माइक्रोचिप, कैमरा, ब्लूटूथ डिवाइस आदि जैसे संचार उपकरण को परीक्षा केंद्र में ले जाने पर पाबंदी रहेगी। उम्मीदवार अपने किसी भी आइटम जैसे बैग, बैगेज, पैसे आदि केंद्र पर लेकर न आएं यदि किसी के पास केंद्र के अंदर प्रतिबंधित वस्तुओं में से कोई भी वस्तु पाई जाती है तो कार्रवाई होगी।

ऐसे होगी एंट्री

परीक्षा केंद्र में बिना आई कार्ड केंद्र पर किसी की एंट्री नहीं होगी। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा, महेंद्रगढ़ के एसडीएम अनिल कुमार यादव, एसडीएम रमित यादव, नगराधीश मंजीत कुमार, परीक्षा के जिला के नोडल ऑफिसर ओमप्रकाश यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूर रहे।

नीट को लेकर एसपी ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया, सतर्कता से ड्यूटी करने के दिए निर्देश

नारनौल। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने शुक्रवार को आगामी नीट परीक्षा के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर पर्यवेक्षण अधिकारियों व परीक्षा केंद्रों पर तैनात इंचार्जों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में उन्होंने परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की और सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए। इसको लेकर उन्होंने परीक्षा केंद्रों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। एसपी ने स्पष्ट रूप से कहा कि परीक्षा केंद्रों के अंदर केवल ड्यूटी पर तैनात स्टाफ व परीक्षार्थियों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। किसी भी अन्य व्यक्ति को केंद्र में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने बताया कि परीक्षार्थियों की गहन तलाशी ली जाएगी। जिसके लिए एचएचएमडी, डीएफएमडी व फ्रिस्किंग टीम को तैनात किया गया। पुलिस कर्मियों को वाकी टाकी से लैस किया गया है, ताकि किसी भी प्रकार की सूचना को तुरंत अधिकारियों तक पहुंचाया जा सके। पुलिस अधीक्षक ने पर्यवेक्षण अधिकारियों व थाना प्रबंधकों को अपने अपने क्षेत्रों में कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए, ताकि परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हो सके।

महेंद्रगढ़। विजेता को सम्मानित करते विद्यालय प्राचार्य राम मोहन वशिष्ठ।

बीआर स्कूल में सामान्य विज्ञान क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

महेंद्रगढ़। बीआर स्कूल सेहलंग में कक्षा तीसरी से पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए एक रोचक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में चार टीमों ने भाग लियाझ्रअचीवर्स, टॉपर्स, चेसर्स और वंडरर्स। कार्यक्रम की शुरूआत प्रधानाचार्य डॉ. राम मोहन वशिष्ठ के प्रेरणादायक भाषण से हुई। उन्होंने कहा कि एक छात्र को कक्षा से मंच तक लाना एक बड़ी चुनौती होती है। इसके लिए शिक्षक, माता-पिता और सहपाठियों की सामूहिक और कोशिशें जरूरी होती हैं। जब कोई बच्चा झिझक की सीमाओं को तोड़कर मंच पर आता है, तो वह हमारी सामूहिक मेहनत का परिणाम होता है। प्रतियोगिता में कई रोचक राउंड शामिल किए गए थे जैसे रैपिड फायर राउंड, वीडियो राउंड, चित्र आधारित राउंड आदि। इन राउंड्स के माध्यम से छात्रों की छिपी प्रतिभा को पहचानने का प्रयास किया गया। प्रतिस्पर्धा में मानसी, जयेश, पीयूष और कंचन की चेसर्स टीम ने बेहद कम अंकों के अंतर से जीत हासिल की। उपप्रधानाचार्या ज्योति भारद्वाज ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिता का उद्देश्य सभी छात्रों को समान अवसर देना और उनमें जीवन कौशल विकसित करना है।

नारनौल। श्रीकृष्णा स्कूल में विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए।

श्रीकृष्ण स्कूल में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित, छात्र सम्मानित

नारनौल। श्रीकृष्ण सीनियर सेकेण्डरी स्कूल भुंगारका में शुक्रवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान आईआईटी, जेईई में सफलता पाने वाले छात्र भविष्य पुत्र सरजीत, मानव पुत्र गंगाराम, दीपांशु पुत्र भूपसिंह व छात्रा रितु पुत्री जगजीत को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही एनडीए परीक्षा परिणाम उत्तीर्ण करने पर साहिल पुत्र सत्यापाल को प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबांधित करते हुए स्कूल प्राचार्य वेदपाल यादव ने कहा कि शिक्षा पाने का लक्ष्य केवल निजी या सरकारी विभाग में उच्च पदों पर आसीन होना नहीं है, बल्कि श्रेष्ठ समाज की रचना में सक्रिय भूमिका का निर्वहन करना है। ऐसे सम्मान से छात्रों में प्रति स्पर्धा बढ़ती है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए विद्यालय के चेयरमैन एडवोकेट राजपाल यादव ने कहा कि प्रतिभाओं के सम्मान से बच्चों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है, इसलिए नई प्रतिभाओं को दिशानिर्देश देने के साथ संसाधनों की पूर्ति में सहयोग देना अवश्यक है। सीईओ अविनाश यादव ने आगन्तुक सफल

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

एसओएफ साइंस ओलंपियाड में छात्रों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन, किया सम्मान

महेंद्रगढ़। साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (एसओएफ) द्वारा आयोजित साइंस ओलंपियाड में यदुवंशी के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरस्कार अपने नाम किए। विद्यार्थियों ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता छात्रों की वैज्ञानिक सोच तर्कशक्ति और समस्या-समाधान क्षमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई। जिसमें विद्यार्थियों ने भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और पर्यावरण विज्ञान जैसे विषयों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को स्वर्ण, रजत और कास्य पदक व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य पवन कुमार ने कहा कि यह उपलब्धि छात्रों की कड़ी मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि जिन विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, उनकी मेहनत, लगन और समर्पण वास्तव में सराहनीय है। आप सभी विद्यालय के लिए गर्व का विषय है। इस मौके पर वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव, फाउंडर डायरेक्टर डॉ. राजेंद्र सिंह यादव ने भी सभी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संगीता यादव की नेट जेआरएफ में 10वीं रैंक

महेंद्रगढ़। शिव कॉलोनी निवासी संगीता यादव ने नेट जेआरएफ में आल इंडिया 10वीं रैंक प्राप्त कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने यह सफलता फिजिक्स विषय में प्राप्त की है। संगीता के ससुर देशराज यादव हैफेड के डीएम पद से सेवानिवृत हो चुके हैं। उनके पति राहुल यादव जिम चलाते हैं। संगीता यादव अपना परीक्षा परिणाम देकर बहुत खुशी हुई। उसने आल इंडिया दसवीं रैंक प्राप्त की संगीता यादव ने बताया कि वह सफलता के प्रति आश्वासन थी। पति राहुल यादव एवं ससुराल जनों ने उसको हमेशा सपोर्ट किया। वह अपनी सफलता का श्रेय अपने पति ससुराल, माता-पिता और गुरुजनों को देती हैं। ससुर देशराज यादव ने बताया की संगीता बहुत मेहनती है। वह घर के कामकाज के साथ पढ़ाई पर पूरा ध्यान देती है। उसने सच्ची लगन और मेहनत के बल पर यह मुकाम हासिल किया है।

डा. दीपिका राणा ने किया नेट में क्वालीफाई

नारनौल। शहर के हुडा सेक्टर-एक निवासी डॉ. दीपिका राणा ने यूजीसी एवं सीएसआईआर के तत्वावधान में संयुक्त रूप से आयोजित दिसंबर 2024 की नेट परीक्षा (राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा) में केमिस्ट्री विषय में ऑल इंडिया लेवल पर 39वीं रैंक के साथ जेआरएफ नेट उत्तीर्ण किया है। उल्लेखनीय है कि डॉ. दीपिका राणा राजकीय महिला महाविद्यालय नारनौल के पूर्व प्राचार्य डॉ. ज्ञानचंद राणा की पुत्री हैं तथा बड़े भाई डॉ. दीपक राणा सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ हरियाणा में एसिस्टेंट प्रोफेसर हैं। डॉ. दीपिका राणा की इस विशेष उपलब्धि पर दादा रामफल राणा, पिता व पूर्व प्राचार्य डॉ. ज्ञानचंद राणा, माता रूपकिरण राणा, भाई डॉ. (प्रो) दीपक राणा, भाभी अर्चना राणा व अन्य परिजनों व सभी मित्रगणों ने विशेष बधाई दी व खुशी जाहिर की।

नांगल हरनाथ की सुदेश राव नेट में क्वालीफाई

महेंद्रगढ़। शहर के हुडा सेक्टर-एक निवासी डॉ. दीपिका राणा ने यूजीसी एवं सीएसआईआर के तत्वावधान में संयुक्त रूप से आयोजित दिसंबर 2024 की नेट परीक्षा (राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा) में केमिस्ट्री विषय में ऑल इंडिया लेवल पर 39वीं रैंक के साथ जेआरएफ नेट उत्तीर्ण किया है। उल्लेखनीय है कि डॉ. दीपिका राणा राजकीय महिला महाविद्यालय नारनौल के पूर्व प्राचार्य डॉ. ज्ञानचंद राणा की पुत्री हैं तथा बड़े भाई डॉ. दीपक राणा सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ हरियाणा में एसिस्टेंट प्रोफेसर हैं। डॉ. दीपिका राणा की इस विशेष उपलब्धि पर दादा रामफल राणा, पिता व पूर्व प्राचार्य डॉ. ज्ञानचंद राणा, माता रूपकिरण राणा, भाई डॉ. (प्रो) दीपक राणा, भाभी अर्चना राणा व अन्य परिजनों व सभी मित्रगणों ने विशेष बधाई दी व खुशी जाहिर की।

सपना ने नेट जेआरएफ में पाई 40वीं रैंक

महेंद्रगढ़। यदुवंशी डिग्री कॉलेज के लाइफ साइंस विभाग की छात्रा सपना पुत्री सुनील कुमार निवासी सेहलंग ने सीएसआईआर नेट जेआरएफ परीक्षा में आल इंडिया में 40वीं रैंक प्राप्त कर इतिहास रचा है। यह उपलब्धि न केवल यदुवंशी कॉलेज के लिए, बल्कि पूरे महेंद्रगढ़ जिले और हरियाणा प्रदेश के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। सपना के पिता सुनील कुमार ने बताया कि सपना ने स्नातकोत्तर की पढ़ाई यदुवंशी कॉलेज से की अपनी लगन जिज्ञासा और अध्यापन के प्रति समर्पण से यह उपलब्धि हासिल की। संस्था चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि सपना ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि शिक्षा और लक्ष्य की प्रति समर्पण हो तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती।

हैप्पी के छात्र ध्रुव का पुनः एनडीए में चयन

महेंद्रगढ़। डुलाना रोड स्थित हैप्पी एवरग्रीन स्कूल के छात्र ध्रुव पुत्र पुरूषोतम दास निवासी सैनीपुरा मौहल्ला ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और नौसेना अकादमी परीक्षा-1 की परीक्षा पुनः उर्तीण की हैं। प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल ने बताया कि ध्रुव हैप्पी स्कूल का पिछले आठ वर्षों से नियमित छात्र है, जिसने अपनी कठिन मेहनत व विद्यालय के संयुक्त प्रयास से एनडीए की परीक्षा पुनः उर्तीण की है। ध्रुव पढ़ाई में हमेशा ही मेहनती रहा है। नान मेडिकल विषय को लेकर 12वीं कक्षा की नियमित पढ़ाई कर रहा हैं। प्रबंधक निर्देशक मनीष अग्रवाल ने बताया कि ध्रुव ने दोबारा सफलता प्राप्त कर प्रदेश का नाम व अपने माता-पिता, अध्यापक का नाम रोशन किया हैं। मैनेजर चंचल अग्रवाल ने कहा कि ध्रुव पढ़ाई में शुरू से ही रूचि रखता है। चेयरमैन सुभाष चंद्र अग्रवाल, वाइस चेयरमैन कौशल्या अग्रवाल व को-आर्डिनेटर संजीव कुमार ने बधाई देते हुए कहा कि संस्था प्रतिवर्ष शिक्षा के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं के क्षेत्र में भी नित नए आयाम स्थापित कर रही हैं।

महेंद्रगढ़। विजय चिह्न बनाकर खुशी जाहिर करते हुए।

आरपीएस डिग्री कॉलेज के 17 विद्यार्थियों ने नेट जेआरएफ और गेट में रचा इतिहास

महेंद्रगढ़। सीएसआईआर व यूजीसी द्वारा नेट, जेआरएफ गेट का हाल ही में परीक्षा परिणाम घोषित किया गया, जिसमें अकेले आरपीएस डिग्री कॉलेज बलाना की 17 प्रतिभाओं ने नेट जेआरएफ व गेट में सफलता हासिल कर नया कीर्तिमान स्थापित किया हैं। कॉलेज पीजी हैड वाईपी सिंह ने बताया आरपीएस कॉलेज की बेहतरीन व सुनियोजित शिक्षा के परिणाम स्वरुप अलग-अलग विषयों में 17 प्रतिभाओं ने कॉलेज में पढ़कर इस देश की बड़ी परीक्षाओं में शुमार नेट जेआरएफ व गेट में सफलता हासिल की हैं। उन्होंने बताया फिजिक्स में संगीता पुत्री सत्यनारायण एआईआर 17वां रैंक, सरोज पुत्री रमेश एआईआर 83वां रैंक जेआरएफ, प्रवीन पुत्र भूप सिंह एआईआर 88वां रैंक, बुधराम पुत्र राजवीर नेट क्वालिफाईंग, मैथ्स में केशव पुत्र भरत कुमार 23वां रैंक, ऋषभ पुत्र रणधीर सोनी 55वां रैंक, मोहित पुत्र विरेंद्र 39वां रैंक, निशा पुत्री राजकुमार 61वां रैंक, लाईफ साईंस में सपना पुत्री घनश्याम शर्मा 136वां रैंक जूलॉजी, मनीषा पुत्री जयप्रकाश 203वां रैंक, सोनू पुत्र भगत सिंह नेट क्वालिफाईंग व रसायन विज्ञान में निकिता पुत्री रामनिवास 26वां रैंक प्राप्त किया। इस प्रकार 17 विद्यार्थियों ने अकेले आरपीएस डिग्री कॉलेज से नेट जेआरएफ व गेट में चयनित हुए हैं। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि आरपीएस डिग्री कॉलेज से 17 विद्यार्थियों को नेट जेआरएफ गेट मे चयनित होना क्षेत्र के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।कॉलेज प्रबंधन समिति के साथ डीन डॉ. हेमंत कुमार, विभागाध्यक्ष अर्चना साहू, डॉ. डीआर भारद्वाज, डॉ. जितेंद्र जिंदल, प्रो. विकास यादव, सोमबीर, सचिन सुरा उपस्थित रहे।

बिजली उपभोक्ताओं ने धरना देकर रोष प्रकट किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

बिजली उपभोक्ता मंच हरियाणा सम्बंधित आल इंडिया इलेक्ट्रिसिटी कंज्यूमर एसोसिएशन के ब्लाक सिहमा की ओर से बिजली उपमंडल अधिकारी कार्यालय के सामने बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं को लेकर बिजली उपमंडल कार्यालय के समक्ष धरना देकर जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन उपरांत जेई अशोक कुमार को ज्ञापन सौंपा। धरने को संबोधित करते हुए बिजली उपभोक्ता मंच हरियाणा के जिला संयोजक छाजूराम रावत ने कहा कि बिजली एक जन सेवा है। बिजली जैसी आवश्यक सेवा, जिसके बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। बिजली जैसी इसआवश्यक सेवा को मुनाफा की वस्तु नहीं बनाया जा सकता। बिजली उपभोक्ता मंच हरियाणा के सिहमा संयोजक मास्टर बलवंत सिंह ने कहा कि बिजली उपमंडल अधिकारी सिहमा द्वारा बिजली उपभोक्ताओं के बिलों में पिछले वर्ष का कुल विद्युत खर्च जोड़कर इसका एक तिहाई बिल की राशि आगामी वित्तीय वर्ष के विद्युत बिलों में जोड़कर यह राशि सिक्योरिटी प्रतिभूति के नाम से वसूली जा रही है। इस जबरन वसूली से बिजली उपभोक्ताओं पर पड़ने वाले अतिरिक्त आर्थिक भार से परेशानी में हैं। उन्होंने कहा कि मीटर रीडिंग भी नियमित रूप से नहीं की जाती, जिससे बिजली उपभोक्ताओं पर कई महीनों की राशि इकट्ठी का भार एकसाथ पड़ता है।

मंडी अटेली। बिजली उपभोक्ता मंच हरियाणा एसोसिएशन ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

स्लम एरिया टैलेंट टीम ने रखें पानी के सकोरे

नारनौल। स्लम एरिया टैलेंट टीम ने पंछियों के लिए अपने निर्धारित लक्ष्य 500 पानी के सकोरे रखने अनुसार नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में शुक्रवार को जूडो के बच्चों के साथ मिलकर पानी के सकोरे लगाए व बच्चों ने मिलकर इन सकोरे को रोजाना पानी से भरने का वादा किया। कोच विवेक ने बताया कि बच्चें निरन्तर सुभाष स्टेडियम में तैयारी करते है। स्लम एरिया टैलेंट टीम ने जब बताया कि यहां पानी के सकोरे लगाने है, तो बच्चों ने उनके इस लक्ष्य में साथ देने का विश्वास दिलाया। कोच विवेक ने बताया कि स्लम एरिया टैलेंट की टीम पंछियों के लिए पानी के सकोरे रखकर पुण्य का कार्य कर रही है। स्लम एरिया टैलेंट से अतर सिंह ने बताया कि अभी तक 100 पानी के सकोरे लगा चुके है और हर दिन अलग जगह पानी के सकोरे रखकर निर्धारित लक्ष्य को पूरा करेंगे।

बीआर ज्ञानदीप विद्यालय में कार्यशाला आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

बीआर ज्ञानदीप विद्यालय में पर्सनालिटी डेवलपमेंट विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा नौवीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास, संवाद कौशल और नेतृत्व क्षमता को सशक्त बनाना था। इस सफल आयोजन की संयोजन भूमिका अध्यापक विनय कुमार ने निभाई। छात्रों ने संचार कौशल कार्यशाला, नेतृत्व और टीम वर्क अभ्यास, पोस्टर प्रेजेंटेशन, मंच संचालन और समस्या समाधान गतिविधियों में भाग लिया। इन गतिविधियों के माध्यम से छात्रों ने अपने भीतर छिपी क्षमताओं को पहचाना और प्रस्तुत करने का अवसर पाया। प्रधानाचार्य रामवीर यादव ने कहा कि व्यक्तित्व विकास आज की शिक्षा प्रणाली का एक अहम हिस्सा है। छात्रों का आत्मविश्वासी और संतुलित व्यक्तित्व ही उन्हें भविष्य की चुनौतियों से सफलतापूर्वक निपटने योग्य बनाता है। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन के लिए अध्यापक विनय कुमार आदि मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। कार्यशाला में उपस्थित विद्यार्थी।

समाज में ऐसी व्यवस्था बनाएं की जरूरतमंदों को मांगकर नहीं लेनी पड़े मदद: उदयनारायणाचार्य

नांगल चौधरी। दौंखेरा के वीर हनुमान मंदिर में एक दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया। जिसमें महंत उदयनारायणाचार्य ने आर्थिक रूप से संपन्न लोगों को समाज से जुड़कर रहने का संदेश दिया। कहा कि समाज में ऐसी व्यवस्था स्थापित करें, जिससे जरूरतमंदों को मांगकर मदद लेने की शर्मिंदा नहीं झेलनी पड़े। यह परोपकार भावना, शिक्षा के प्रसार व धार्मिक ग्रंथों के अध्यन से ही संभव हो पाएगा। उन्होंने कहा कि आर्थिक प्रतिस्पर्धा के दौर में समाज तीन वर्गों में विभाजित हो गया है। गरीब वर्गीय समाज के बच्चे शिक्षा व दैनिक उपयोगी वस्तुओं के लिए तरसते हैं। आपूर्ति के लिए उन्हें संपन्न लोगों से मदद मांगनी पड़ती है। मध्यम वर्गीय समाज के पास आमदनी के पर्याप्त स्त्रोत नहीं होते, बावजूद उन्हें सामाजिक परंपराओं को उन्हें संपन्नता से निभाना पड़ता है।

गर्मी में प्रदेश में नहरी पानी की कमी होने से सक्रिय हुआ जनस्वास्थ्य विभाग

जल संकट रोकने में सहयोग करें उपभोक्ता, एक भी नल न छोड़ें खुला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

बढ़ती गर्मी और बढ़ती पेयजल की मांग को ध्यान में रखते हुए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के वास्सो के जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने उपभोक्ताओं से आह्वान किया है कि वे पेयजल की बर्बादी को रोकने में अपने अपने घरों से शुरूआत करें। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि जिस तरीके से पानी को लेकर पिछले कुछ दिनों से पंजाब व हरियाणा का विवाद चल रहा है। प्रदेश में नहर कम पानी सप्लाई होने पर मांग के अनुसार कम पानी मिल रहा है। नहरी पानी कम मिलने की वजह से जल संकट भी गहरा सकता है। जल संकट न हो इसके लिए शासन व प्रशासन एकजुट होकर कार्य कर रहे हैं। मंत्री रणबीर गंगवा ने भी पेयजल संकट को ध्यान में रखते हुए आदेश दिए हैं कि पेयजल की कहीं भी बर्बादी न हो। अवैध कनेक्शनों व लीकेज तुरंत रोकने के लिए भी कहा है। इसके बावजूद अब गांव की सरकारें ग्राम पंचायतें, ग्राम जल एवं सीवरेज समिति व उपभोक्ताओं की भूमिका भी इस गर्मी के मौसम में और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। ग्राम पंचायतों से आग्रह है कि वे सुनिश्चित करें कि इस गर्मी के मौसम मई व जून के माह में जितना पानी ग्राम पंचायत को उपलब्ध हो रहा है व प्रत्येक घर को समान रूप से सप्लाई हो, ताकि हर घर को जल मिल सके। इसके अलावा अवैध रूप से चल रहे कनेक्शनों को रोकने का काम करें। उपभोक्ताओं से भी अपील करें कि वे अपने पेयजल कनेक्शनों के नलों पर टूंटी सुनिश्चित करें, ताकि नल खुले में न बहें व पेयजल की बर्बादी भी ना हो। नहरी पानी कम उपलब्ध होने पर अब नलकूपों के पानी का दोहन भी बढ़ सकता है।

नारनौल। ग्राम जल एवं सीवरेज समिति सदस्यों को जल संरक्षण की जानकारी देती टीम व ग्रामीणों के समक्ष पेयजल की क्लोरिन जांच करते बीआरसी धर्मेंद्र कुमार।

खबर संक्षेप

आभा दीदी की श्रद्धांजलि सभा नौ को होगी

भिवानी। सादगी, करुणा और समर्पण की मूरत एवं राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आभा दीदी का बीते 28 अप्रैल को हो गया था। उनके निधन पर श्रद्धांजलि देने के लिए रोजाना विभिन्न संगठनों के लोग पहुंच रहे है। इसी कड़ी में शुक्रवार को भी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आभा के निधन पर अनेक लोगों ने श्रद्धांजलि दी तथा उनकी शिक्षाएं और सेवा भाव आध्यात्मिक जगत में प्रेरणा का स्रोत बताया।

समाधान शिविर में लंबित शिकायतों की समीक्षा की

भिवानी। विकास एवं पंचायत एवं भाषा सूचना जनसंपर्क विभाग के आयुक्त अमित अग्रवाल ने वीसी के माध्यम से प्रदेश के सभी जिला अधिकारियों के साथ समाधान शिविर में लंबित शिकायतों की समीक्षा की। उन्होंने समीक्षा बैठक की मॉनिटरिंग करते हुए कहा कि अधिकारी एटीआर को अपडेट करते वक्त कोर्ट में चल रहे मामले व डिमांड से संबंधित समस्या को स्पष्ट लिखें ताकि सही लंबित शिकायतों को त्वरित निपटाया जा सके।

फसल अवशेष जलाने को लेकर धारा 163 लागू

भिवानी। जिलाधीश महावीर कौशिक ने जिले में गेहूं की कटाई के बाद खेतों में फसल अवशेष (फाने) जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लागू की है। जिलाधीश ने अपने आदेशों में कहा है कि गेहूं के फसल अवशेष जलाने पर प्रतिबंध के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह से सजग और सतर्क है। जिले में फसल अवशेषों को आग लगाना भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत प्रतिबंधित है और ऐसे मामलों में सूचना मिलते ही जिला प्रशासन द्वारा तुरंत कार्रवाई करते हुए कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी ।

बीएसएनएल ब्रॉडबैंड की सेवा ने तोड़ा दम

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा में बीएसएनएल ब्रॉडबैंड फाइबर की सेवा ने दम तोड़ा हुआ है जिसको लेकर उपभोक्ता का भी परेशान दिखाई दे रहे हैं. वही इसको लेकर विभाग के अधिकारियों से बात करने पर वह बताते हैं कि आपको अपने ब्रॉडबैंड के वेंडर से संपर्क करना चाहिए वही वेंडर का कहना है कि नेशनल हाईवे कार्य चलने के चलते वहां पर तारे टूटी हुई है लेकिन उपभोक्ताओं की समस्या कोई समाधान नहीं हो रहा है जिसके चलते इसके संबंधित सभी कार्य अटके हुए हैं।

डाक विभाग ने शुरू की ज्ञान पोस्ट सेवा

भिवानी। भारत संचार मंत्रालय (डाक विभाग) ने आज से ही एक नई डाक सेवा ज्ञान पोस्ट का शुभारंभ किया है। यह सेवा छात्रों शिक्षण संस्थाओं व प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं और सामाजिक सांस्कृतिक संस्थाओं के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी, ये बात मुख्य डाकघर अधीक्षक संजय कुमार ने कही। उन्होंने बताया कि इस सेवा के अंतर्गत पुस्तकों एवं शिक्षण सामग्री कम दरों पर भेजी जा सकेगी।

ओवरब्रिज निर्माण कार्य में ढीली कार्यप्रणाली को लेकर जताया विरोध

18 माह में पूरा होना था काम, 50 माह बीतने पर भी अधूराः गोठवाल

प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व पार्षद शिवकुमार गोठवाल एवं पार्षद प्रतिनिधि अनिल कुमार ने किया

भिवानी। अधूरा पड़ा ओवरब्रीज का कार्य। व ओवरब्रीज के अधूरे पड़े निर्माण को लेकर नारेबाजी करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

लाइनपार क्षेत्र के सैकड़ों लोग शुक्रवार को निर्माणाधीन ओवरब्रिज जीतू वाला छोर पर एकत्र हो हुए तथा प्रदर्शन कर रोष जताया। यह जानकारी महापंचायत संयोजक रोहतास वर्मा ने देते हुए बताया कि प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व पार्षद शिवकुमार गोठवाल एवं पार्षद प्रतिनिधि अनिल कुमार ने किया।

इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए महापंचायत प्रधान लाला पहलवान, उप प्रधान ओमपाल चौहान, रमेश वर्मा, इंद्र सिंह लांबा, कुलदीप सिंह तंवर ने कहा कि इस पुल निर्माण के निर्माण कार्य का कांट्रेक्ट पूनिया कंस्ट्रक्शन कंपनी हिसार को अलाट किया गया हुआ है। कंपनी द्वारा 13 अप्रैल 2021 को सांसद चौ. धर्मवीर सिंह से हाथों से नारियल फोडक़र शुभारंभ करवाया गया था। निर्माण 18 महीने में पूरा किया जाना था, मगर 50 महीने होने पर भी पुल निर्माण पूरा नहीं हुआ है। जिसके चलते क्षेत्रवासियों में रोष है तथा उन्होंने आज प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से काम दिन-ब-दिन लटकाया जा रहा है और लोगों को 4 साल से भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा। पार्षद शिवकुमार गोठवाल व पार्षद प्रतिनिधि अनिल कुमार ने कहा कि पुल निर्माण कार्य कि सभी अड़चनें दूर हो जाने पर भी निर्माण एजेंसी ने काम रोका हुआ है। निर्माण कार्य दोनों तरफ कृष्णा कालोनी साइट व जीतू वाला साइड सीवरेज लाइन व पानी की सभी लाइन शिफ्ट हुए 2 महीने हो गए, मगर काम नहीं किया जा रहा। उन्होंने निर्माण एजेंसी पूनिया कंस्ट्रक्शन कंपनी को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र शुरू नहीं किया और समय सीमा में काम पूरा नहीं किया गया तो लोग सडक़ पर उतर कर कंपनी के खिलाफ आंदोलन करने में संकोच नहीं करेंगे। इस अवसर पर अशोक कौशिक, सुंडाराम, हनुमान प्लंबर, कुंदनलाल भारद्वाज, शिवकुमार भारतीय, रामशरण ठेकेदार, मनीष बंसल, संदीप सिंह उपाध्याक्ष, बलजीत सिंह गिल, रामपाल सिंह तंवर, सेठी राजपूत, राजेश कुमार, प्रहलाद, सतपाल चौकीदार, रमेश वर्मा भानगढ़, रविन्द्र यादव, पप्पू आदि मौजूद रहे।

देरी होने की जांच करवाएं

रोष प्रदर्शन मंच के माध्यम से महापंचायत प्रधान लाला पहलवान, संयोजक रोहतास वर्मा एवं सुखबीर सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री व भिवानी उपायुक्त से पुल निर्माण का निरीक्षण दौरा कर देरी होने कि जांच करवाएं और लटका-भटका कर देरी करने वाले अधिकारी के खिलाफ स्वयं संज्ञान लेकर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। उन्होंने लोकसभा सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह, राज्यसभा सांसद श्रीमती किरण चौधरी एवं विधायक घनश्याम सर्राफ से अनुरोध किया कि निर्माणाधीन ओवरब्रिज का संबंधित अधिकारियों को साथ लेकर निरीक्षण दौरा कर और निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए जाएं।

भिवानी। रक्तदान करने के बाद रक्तदाता। फोटो : हरिभूमि

दस युवाओं ने तीन मरीजों के लिए किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी के तीन निजी अस्पतालों में दाखिल मरीजों के लिए अलग-अलग ब्लड ग्रुप की जरूरत पड़ने पर दस रक्तदाता आगे आये और उन्होंने रक्तदान किया।

इस अवसर पर शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने बताया कि रक्त एक मात्र ऐसा जीवनदायिनी पदार्थ है, जिसका किसी फैक्ट्री मे निर्माण नहीं हो सकता। रक्त की कमी को स्वैच्छिक रक्तदाताओं द्वारा बढ़ चढ़कर रक्तदान करने से ही पूरा किया जा सकता है। शहर के तीन निजी अस्पतालों में दाखिल मरीजों के लिए ब्लड की जरूरत पड़ी, जिन मरीजों की नाजुक हालत को देखते हुए रक्तवीर राजेश डुडेजा ने तुरंत प्रभाव से अपनी टीम के एक्टिव रक्तदाताओं ऐ पॉजिटिव के लिए डॉ. प्रवीण कुमार, हिमान्शु नागर, नितिन, वेदपाल एबी पॉजिटिव, राहुल, संजय, संदीप बी पॉजिटिव के लिए बंसीलाल, रवि कुमार, पवन कुमार रक्तदान करने पहुंचे और किसी अंजान व्यक्ति को जीवनदान देने में सफल भूमिका निभाई।

सेमिनार में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए

भिवानी। केसीएम आर्मी कॉलेज ऑफ एजुकेशन और गिरधारीलाल घासीराम शोधपीठ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार वर्तमान दौर के विमर्श का सफल आयोजन कॉलेज सभागार संपन्न हुआ। सेमिनार में देश-विदेश के प्रख्यात विद्वानों, शोधकर्ताओं, प्राध्यापकों एवं छात्रों ने भाग लिया। सेमिनार का उद्घाटन मुख्यतिथि पवन तंवर ने किया, जिन्होंने विविध विमर्शों जैसे दलित विमर्श, स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श, विकलांग विमर्श, पर्यावरणीय विमर्श आदि की समकालीन साहित्य और समाज में भूमिका पर प्रकाश डाला।

विद्यार्थियों को बताए नशे के दुष्प्रभाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

नशामुक्त समाज के स्वप्र को पूरा करने के उद्देश्य से युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट द्वारा नौ दिवसीय प्रदेश स्तरीय नशा मुक्त हरियाणा संकल्प रथ यात्रा निकाली जा रही है, जिसके तहत गांव-गांव घूमकर लोगों को नशे के दुष्प्रभाव बताकर उन्हे नशे से दूरी बनाए रखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

हनुमान जोहड़ी मंदिर के महंत बालयोगी चरणदास महाराज के सान्निध्य में निकाली जा रही नशा मुक्त हरियाणा संकल्प रथ यात्रा छठे दिन शुक्रवार को लोहारू कस्बा पहुंची। इस दौरान यात्रा में शामिल लोगों ने लोहारू स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति वमा विद्यालय एवं गांव सोहासड़ा स्थित राजकीय वमा विद्यालय के विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव बताएं तथा नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। यात्रा का ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया, ये यात्रा पांच मई को भिवानी पहुंचेंगी। विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव बताते हुए बालयोगी महंत चरणदास महाराज ने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है।

विशिष्ट अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी विजय प्रभा ने कहा कि विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देना न केवल उनके जीवन की रक्षा करता है, बल्कि एक स्वस्थ, सशक्त और जागरूक समाज की नींव रखता है।

भिवानी। नशा मुक्त हरियाणा संकल्प रथयात्रा के दौरान विद्यार्थियों को शपथ दिलवाते महंत चरणदास महाराज। फोटो : हरिभूमि

लक्ष्य बनाकर मेहनत करें

छवि को बेस्ट स्टूडेंट ऑफ द ईयर अवार्ड से किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

शिक्षा, संस्कार व संस्कृति हमारे देश की पहचान है, इसी को अनुसरण करते हुए विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य पर आगे बढ़ना चाहिए, ये बात वैश्य कॉलेज के वार्षिक पारितोषिक वितरण एवं पुस्तकालय ब्लॉक के उद्घाटन समारोह समारोह में बतौर मुख्यतिथि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, शहरी स्थानीय निकाय और नागरिक उड्डयन, विभाग के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कही। उन्होंने संस्थान की उन्नति का साधुवाद देते हुए महाविद्यालय में स्किल सेंटर की स्थापना के लिए अपने निजी कोष से 11 लाख रुपये देने की घोषणा की। वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में 200 विद्यार्थियों को चार लाख रूपये की नकद राशि के पुरस्कार के देकर सम्मानित किया। कॉलेज की छात्रा छवि को बेस्ट स्टूडेंट ऑफ द ईयर का अवार्ड प्रदान किया।

मेधावी विद्यार्थी को पुरस्कृत करते कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल व अन्य।

गांव हालुवास में प्रशासन ने तोड़े ग्रामीणों के मकान, माकपा ने ग्रामीणों संग जताया रोष

भिवानी। मार्क्सवादी कम्यूनिस्ट पार्टी जिला कमेटी ने गांव हालुवास में जिला प्रशासन द्वारा एक तरफा तौर पर गरीबों को बिना समय दिए मकान व चबूतरे तोडऩे की कार्रवाई की घोर निंदा की है तथा राज्य सरकार से मांग की है कि इस मामले में एसडीएम भिवानी के निर्णय की उपायुक्त द्वारा समीक्षा की जाए तथा अपना पक्ष रखने के लिए गरीबों को समय दिया जाए। इस दौरान ग्रामीणों ने रोष भी जताया। गांव हालुवास में वीरवार को भी सीपीआईएम के जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश पहुंचे तथा उन्होंने ग्रामीणों बात की तो ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 1971 में हरियाणा सरकार ने उनको रिहायशी प्लाट दिए थे और उनकी मल्कियत हेतु एक कापी दी थी। वर्ष 2022-23 में गांव के किसी व्यक्ति ने जिला प्रशासन को शिकायत की थी कि कुछ लोगों ने गांव की शामलात भूमि पर नाजायज कब्जा किया हुआ है तो एसडीएम आफिस ने प्रभावित लोगों से पूरी जानकरी नही ली और मनमाने ढंग से फैसला दे दिया कि इन अवैध कब्जों को हटाया जाए।

मजदूर दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

भिवानी। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश देशराज चालिया के निर्देशानुसार तथा सीजेएम-कम-सचिव पवन कुमार के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर स्थानीय हिंदुस्तान गम एंड केमिकल फैक्ट्री में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इसमें लीगल एड डिफेन्स काउंसिल के डिप्टी चीफ नरेंद्र काटिवाल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। डिप्टी चीफ नरेंद्र काटिवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि "विश्व भर में एक मई को 'अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इसे मई दिवस भी कहा जाता है और यह दिन मजदूर वर्ग के योगदान को सम्मान देने के लिए समर्पित है। यह न केवल उनकी मेहनत की सराहना करने का अवसर है,

राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने पालेराम चैरिटेबल ट्रस्ट को किया सम्मानित

भिवानी। टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत उल्लेखनीय योगदान देने वाले सामाजिक संगठन पालेराम चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक सुरेंद्र संभ्रवाल को राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। संभ्रवाल ने राज्यसभा सांसद किरण चौधरी, उपायुक्त महाबीर कौशिक, सीएमओ डॉ. रघुबीर शांडिल्य, क्षय रोग विभाग इंचार्ज डॉ. सुमन विश्वकर्मा का आभार जताया। सांसद किरण चौधरी ने कहा कि भारत को टीबी मुक्त बनाना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी नागरिकों की सांझा जिम्मेदारी है, जो इस अभियान में निःस्वार्थ सेवा भाव से जुड़े हैं, वे वास्तव में समाज के सच्चे नायक हैं। उन्होंने पालेराम चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक सुरेंद्र संभ्रवाल की सराहना की। संभ्रवाल ने कहा कि टीबी मुक्त भारत का सपना, सहयोग और समर्पण के साथ अवश्य साकार होगा।

जीवन में लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ना जरूरीः जेडब्ल्यूओ दीपक

चरखी दादरी। खंड बाढड़ा के नांधा स्थित आदर्श वमा विद्यालय में एनसीसी कैडेट्स के लिए विद्यार्थियों ने एयर विंग में चयन के लिए आयोजित प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इस अवसर पर एयर सक्वारडन एनसीसी हिसार के जेडब्ल्युओ दीपक बिष्ट, सार्जन्ट सुनील शर्मा, सार्जन्ट सुनील यादव व राजबीर ने विद्यार्थियों की चयन प्रक्रिया को विभिन्न मापदंडों के दौरान पूरा किया। चयन प्रतियोगिता में 55 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें से 23 विद्यार्थियों का चयन किया। इस अवसर पर कमांडिंग आफिसर ग्रुप कैप्टन जेडब्ल्युओ दीपक बिष्ट ने स्कूल के अध्यापक व विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। उन्होंने बताया कि जीवन में लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ना बहुत जरूरी है। उन्होंने बताया कि अध्यापकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करके अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करना चाहिए।

आनंद स्कूल में मजदूर दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

बवानीखेड़ा। आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस मिलकपुर में मजदूर दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य नितीश मिश्र ने छात्रों को श्रमिक दिवस के महत्व और इसकी शुरुआत के इतिहास के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह दिन श्रमिकों के सम्मान और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए मनाया जाता है। विद्यालय के निदेशक साहिल यादव ने सभी श्रमिकों को उपहार भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि श्रमिक समाज की रीढ़ हैं और उनके बिना कोई भी संस्था आगे नहीं बढ़ सकती।

पहलगाम के शहीदों को श्रद्धांजलि दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

पेंशन बहाली संघर्ष समिति जिला चरखी दादरी के बैनर तले जिला प्रधान ताराचंद छिल्लर की अगुवाई में रोज गार्डन से लाला लाजपत राय चौक तक कैंडल मार्च निकालकर पहलगाम के शहीदों को श्रद्धांजलि दी और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। प्रेस सचिव कपिल रावलधी ने बताया कि मजदूर दिवस पर पेंशन बहाली की मांग को लेकर दिल्ली में जंतर-मंतर पर धरना प्रस्तावित था, लेकिन पहलगाम की दर्दनाक घटना के बाद राष्ट्रीय व राज्य कार्यकारणी ने जंतर मंतर के धरने को स्थगित करने का फैसला किया।

क्योंकि पेंशन बहाली संघर्ष समिति के लिए सर्वप्रथम देश है और बुरे दौर में पेंशन बहाली संघर्ष समिति देश के साथ खड़ी है।

भिवानी। शहर में कैंडल मार्च निकालते पेंशन बहाली संघर्ष समिति के पदाधिकारी व सदस्य।

न्यूज डायरी

कार्यकर्ताओं ने मनाया मनीषा सांगवान का जन्मदिन

चरखी दादरी। कांग्रेस नेत्री डॉ. मनीषा सांगवान का जन्मदिन धूमधाम से मनाया। कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर उनकी स्वस्थ एवं लंबी उम्र की प्रार्थना की। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने कहा कि डॉ. मनीषा सांगवान निरंतर जरूरतमंद परिवारों के हितों के लिए काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सामाजिक कार्यों और जरूरतमंद परिवारों तक सहायता मुहैया करवाने के उद्देश्य से ही मनीषा सांगवान फाउंडेशन का गठन किया है। उन्होंने कहा कि डॉ. मनीषा का राजनीति से हटकर सामाजिक क्षेत्र में भी अहम योगदान है। उन्होंने जनसेवा का लक्ष्य लेकर राजनीति को चुना है।

विकास में पंचायत सदस्यों की अहम भूमिका : शर्मा

बवानीखेड़ा। ग्राम विकास व तेजी से सही कार्या को करवाने में पंचायत संदस्यो की अहम भूमिका होती है। अधिकारियो के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर सभी सदस्यण सरकारी कार्या व योजनाओ के बारे जानकारी लोगो को दे सकते है। यह बात बीडीपीओ भजनलाल शर्मा ने दो दिवसीय पंचायती राज संस्थानो के निर्वाचित प्रतिनिधियो की रिफ्रेशर ट्रेनिग प्रोग्राम मैं पंचायत प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहे। जंन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग के बीआरसी सुरेश कुमार ने कहा की सिंगल विलेज स्कीम को कामयाब बनाने के लिए ग्राम जल एवं सीवरेज समिति का मजबूत होना आवश्यक है उन्होने कहा कि गांव में जो ग्राम जल एवं सीवरेज समिति बनाई गई है उसे अच्छी तरह से प्रशिक्षण लेना चाहिए ताकि इनके सदस्यों में अधिक से अधिक अपने अधिकार और कर्तव्य के बारे में जागरुकता आ सके । हर घर तक जल पहुंचाने के लिए कमेटी और संरपच तथा पंचो का अहम योगदान है । समय समय पर इस कमेटी के सदस्यों के साथ साथ पंचायत सदस्यो और ग्रामीणो को प्रशिक्षण दिया जाता है। जिसके कारण यह कमेटी पेयजल की व्यवस्था को अच्छी तरह से देख पाती है उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस कमेटी का दायित्व और अधिक हो जायेगा, यह कमेटी ग्रामीण पे य ज ल सप्लाई का रखरखाव एवं संचालन की जिम्मेवारी खुद संभालेगी।

पिछड़े वर्गों को बराबरी का अधिकार देने के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण जरूरीः टांक

हरियाणा में बीसीए और बीसीबी के पदों में 27 प्रतिशत आरक्षण की मांग, मंत्री को सौंपा ज्ञापन

आरक्षण में बढ़ोतरी से सामाजिक न्याय को मजबूत करेगा : मामनचंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

असमानता तब भी बनी हुई है, जब पिछड़ा वर्ग की जनसंख्या राज्य में 40 प्रतिशत से अधिक है तथा नीति पिछड़ा वर्ग के योग्य उम्मीदवारों को उच्च पदों पर अवसरों से वंचित करती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की आरक्षण नीति अन्य राज्यों की तुलना में पिछड़ी हुई है। गुजरात व उत्तर प्रदेश में सभी सरकारी सेवाओं में पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण प्राप्त है।

कर्नाटक में 32 प्रतिशत, बिहार में 31 प्रतिशत, केरल में 40 प्रतिशत और तमिलनाडु में 50 प्रतिशत ओबीसी को आरक्षण दिया जाता है, ऐसे में हरियाणा में मात्र ग्रुप-ए और बी पदों पर आरक्षण कम होना अन्यायपूर्ण है, जो पिछड़े वर्गो के लिए समान अवसरों को बाधित करता है, इसलिए हरियाणा सरकार ग्रुप-ए और ग्रुप-बी के पदों पर आरक्षण बढ़ाकर बीसी-ए का 16 और बीसी-बी का 11 प्रतिशत सहित कुल 27 प्रतिशत आरक्षण करें। हरियाणा राज्य में बीसी-ए और बीसी-बी वर्गो के पदों में 27 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने की मांग को लेकर भारतीय प्रजापति हिरोज आर्गेनाइजेशन के सहसंस्थापक व ऑल इंडिया कुम्हार प्रजापति पॉलीटिकल फेडरेशन के संस्थापक रमेश टांक व नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन मामनचंद प्रजापति के नेतृत्व में भिवानी सैन जागृति एवं जनकल्याण मंच, दक्ष प्रजापति चैरिटेबल ट्रस्ट बवानीखेड़ा, श्रीदक्ष प्रजापति युवा महासभा, प्रजापति कुम्हार धर्मशाला कुरूक्षेत्र, अखिल भारतीय जोगीनाथ समाज हरियाणा, प्रजापति धर्मशाला संचालन एवं सेवा समिति, विश्वकर्मा शिक्षा एवं कल्याण समिति के पदाधिकारियों ने शुकवार को जनस्वास्थ्य एवं लोकनिर्माण विभाग मंत्री रणबीर गंगवा को चंडीगढ़ आवास पर मांगपत्र सौंपा। बीपीएचओ सहसंस्थापक व फेडरेशन के संस्थापक रमेश टांक व नप के पूर्व चेयरमैन मामनचंद प्रजापति ने कहा कि वर्तमान आरक्षण व्यवस्था सामाजिक न्याय के उद्देश्य को पूरा करने में असफल रही है।

केंद्र सरकार द्वारा लागू किए 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण मॉडल को हरियाणा में भी अपनाया जाना चाहिए, ताकि पिछड़े वर्गो को बराबरी का अधिकार मिल सके। उन्होंने वर्तमान में हरियाणा सरकार द्वारा गुरप-सी और ग्रुप-डी पदों में पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जाता है, जबकि ग्रुप-बी में ये मात्र 15 प्रतिशत है।

मंत्री रणबीर गंगवा को ज्ञापन सौंपते प्रजापति हिरोज आर्गेनाइजेशन के पदाधिकारी।

उत्तर प्रदेश में 27 प्रतिशत आरक्षण

उन्होंने कहा कि ये असमानता तब भी बनी हुई है, जब पिछड़ा वर्ग की जनसंख्या राज्य में 40 प्रतिशत से अधिक है तथा नीति पिछड़ा वर्ग के योग्य उम्मीदवारों को उच्च पदों पर अवसरों से वंचित करती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की आरक्षण नीति अन्य राज्यों की तुलना में पिछड़ी हुई है। गुजरात व उत्तर प्रदेश में सभी सरकारी सेवाओं में पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण प्राप्त है। कर्नाटक में 32 प्रतिशत, बिहार में 31 प्रतिशत, केरल में 40 प्रतिशत और तमिलनाडु में 50 प्रतिशत ओबीसी को आरक्षण दिया जाता है, ऐसे में हरियाणा में मात्र ग्रुप-ए और बी पदों पर आरक्षण कम होना अन्यायपूर्ण है, जो पिछड़े वर्गो के लिए समान अवसरों को बाधित करता है, इसलिए हरियाणा सरकार ग्रुप-ए और ग्रुप-बी के पदों पर आरक्षण बढ़ाकर बीसी-ए का 16 और बीसी-बी का 11 प्रतिशत सहित कुल 27 प्रतिशत आरक्षण करें।

शिक्षा संस्कार चरित्र निर्माण
कोचिंग के क्षेत्र का बड़ा नाम.....
आर्यन कोचिंग सैन्टर
'विश्वास का दूसरा नाम'
नये बैच शुरू | 12th के बाद नौकरी-कॉमन बैच
C.E.T. | रेलवे
CUET | अग्निवीर
S.S.C. | Delhi Police
अनुभवी अध्यापक | नोटस पैकेज | शानदार रिजल्ट
पता : पारस वाली गली, नजदीक बस स्टैण्ड, च. दादरी
9050035973, 9812611926